

BACHELOR OF ARTS (GENERAL) (CBCS) (BAG)

Term-End Examination December, 2024

BPSC-131: INTRODUCTION TO POLITICAL THEORY

Must watch to score good marks

PART-2

1. Explain the main features of democracy in India.

Popular Sovereignty

In India, the people hold supreme power. The government is formed by the will of the people through regular elections, where citizens choose their representatives. This ensures that the government is accountable to the people.

लोकतंत्र में जनतांत्रिक सत्ता

भारत में, सत्ता जनता के हाथ में होती है। सरकार जनता की इच्छा से बनती है और नागरिक अपने प्रतिनिधियों का चुनाव करते हैं। यह सुनिश्चित करता है कि सरकार जनता के प्रति जिम्मेदार रहे।

Rule of Law

Democracy in India operates under the rule of law, meaning everyone, including government officials, is subject to the law. No one is above the law, and justice is accessible to all.

कानून का शासन

भारत में लोकतंत्र कानून के शासन के तहत कार्य करता है, इसका मतलब है कि सभी, सरकार के अधिकारी भी, कानून के अधीन होते हैं। कोई भी कानून से ऊपर नहीं है, और सभी को न्याय प्राप्त करने का अधिकार है।

Free and Fair Elections

India conducts regular elections at national, state, and local levels, where citizens vote freely and fairly. These elections are essential in determining the government and ensuring that it is representative of the people's will.

मुफ्त और निष्पक्ष चुनाव

भारत में राष्ट्रीय, राज्य और स्थानीय स्तर पर नियमित चुनाव होते हैं, जहां नागरिक स्वतंत्र और निष्पक्ष रूप से मतदान करते हैं। ये चुनाव यह तय करने में महत्वपूर्ण हैं कि कौन सा सरकार बने और यह सुनिश्चित करते हैं कि सरकार जनता की इच्छा का प्रतिनिधित्व करती है।

Separation of Powers

India's democracy is based on the separation of powers between three branches: the legislature (Parliament), the executive (Prime Minister and Cabinet), and the judiciary (courts). This prevents any one branch from gaining too much power.

शक्तियों का पृथक्करण

भारत का लोकतंत्र तीन शाखाओं के बीच शक्तियों के पृथक्करण पर आधारित है: विधायिका (संसद), कार्यपालिका (प्रधानमंत्री और मंत्रिमंडल), और न्यायपालिका (अदालतें)। यह सुनिश्चित करता है कि कोई एक शाखा अत्यधिक शक्ति न प्राप्त कर सके।

Universal Adult Franchise

Every adult citizen, regardless of gender, caste, or religion, has the right to vote. This ensures inclusivity and equal participation in the democratic process.

सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार

हर वयस्क नागरिक को, चाहे वह किसी भी लिंग, जाति या धर्म से हो, मतदान करने का अधिकार है। यह लोकतांत्रिक प्रक्रिया में समान भागीदारी और समावेशिता सुनिश्चित करता है।

Multi-Party System

India has a multi-party system where several political parties compete for power. This system allows for a variety of political ideologies and offers voters a wide range of choices.

बहुत-पार्टी प्रणाली

भारत में एक बहु-पार्टी प्रणाली है, जहां कई राजनीतिक पार्टियाँ सत्ता के लिए प्रतिस्पर्धा करती हैं। यह प्रणाली विभिन्न राजनीतिक विचारधाराओं को बढ़ावा देती है और मतदाताओं को चुनाव में कई विकल्प प्रदान करती है।

Independent Judiciary

The judiciary in India is independent and is not influenced by the executive or legislature. It ensures that laws are applied fairly and that the rights of citizens are protected.

स्वतंत्र न्यायपालिका

भारत की न्यायपालिका स्वतंत्र है और इसे कार्यपालिका या विधायिका से प्रभावित नहीं किया जा सकता। यह सुनिश्चित करती है कि कानून निष्पक्ष रूप से लागू हो और नागरिकों के अधिकारों की रक्षा हो।

Fundamental Rights

The Indian Constitution guarantees fundamental rights to all citizens, such as the right to equality, freedom of speech, and the right to life and liberty. These rights are essential for the protection of individual freedoms.

मूलभूत अधिकार

भारतीय संविधान सभी नागरिकों को मौलिक अधिकारों की गारंटी देता है, जैसे समानता का अधिकार, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार। ये अधिकार व्यक्तिगत स्वतंत्रताओं की रक्षा के लिए महत्वपूर्ण हैं।

Secularism

India is a secular state, meaning that the government does not favor any religion. People are free to practice their religion, and the state treats all religions equally under the law.

धर्मनिरपेक्षता

भारत एक धर्मनिरपेक्ष राज्य है, जिसका मतलब है कि सरकार किसी एक धर्म का पक्ष नहीं करती। लोग अपने धर्म का पालन स्वतंत्र रूप से कर सकते हैं, और राज्य सभी धर्मों को कानून के तहत समान रूप से देखता है।

What do you understand by Equality of Opportunity ? Elaborate.

Equality of Opportunity

Equality of opportunity means that every individual, regardless of their background, social status, or other characteristics, should have the same chance to pursue opportunities, particularly in education, employment, and personal development. It ensures that a person's success is determined by their abilities, efforts, and qualifications, rather than their race, gender, caste, or economic status.

समान अवसरों की अवधारणा

समान अवसरों का मतलब है कि हर व्यक्ति को उनके पृष्ठभूमि, सामाजिक स्थिति, या अन्य विशेषताओं की परवाह किए बिना, अवसरों का पीछा करने का समान मौका मिलना चाहिए, विशेष रूप से शिक्षा, रोजगार और व्यक्तिगत विकास में। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी व्यक्ति की सफलता उनकी क्षमताओं, प्रयासों और योग्यताओं पर आधारित हो, न कि उनकी जाति, लिंग, जातिवाद या आर्थिक स्थिति पर।

1. Education and Employment

Equality of opportunity is most commonly seen in areas like **education** and **employment**. For example, in India, the **Right to Education Act (2009)** aims to provide free and compulsory education to all children between the ages of 6 to 14, regardless of their social or economic background. Similarly, **affirmative action policies** like reservations in educational institutions and government jobs aim to provide opportunities to historically marginalized groups, ensuring they can compete on an equal footing.

शिक्षा और रोजगार

समान अवसर की अवधारणा सबसे सामान्य रूप से **शिक्षा** और **रोजगार** क्षेत्रों में देखी जाती है। उदाहरण के तौर पर, भारत में **शिक्षा का अधिकार अधिनियम (2009)** का उद्देश्य 6 से 14 वर्ष के सभी बच्चों को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा प्रदान करना है, चाहे उनकी सामाजिक या आर्थिक पृष्ठभूमि कुछ भी हो। इसी तरह, **सकारात्मक कार्रवाई नीतियाँ** जैसे शैक्षिक संस्थानों और सरकारी नौकरियों में आरक्षण का उद्देश्य ऐतिहासिक रूप से हाशिए पर रहे समूहों को अवसर प्रदान करना है, ताकि वे समान अवसरों पर प्रतिस्पर्धा कर सकें।

2. Fairness in Society

Equality of opportunity also promotes **fairness** in society. It ensures that everyone has the same legal rights and access to opportunities, regardless of who they are. For example, in the workplace, **anti-discrimination laws** ensure that no one is denied a job or promotion based on their race, gender, or religion. This is an attempt to create a level playing field where success is based on merit rather than external factors.

समाज में निष्पक्षता

समान अवसर समाज में **निष्पक्षता** को भी बढ़ावा देता है। यह सुनिश्चित करता है कि हर किसी को समान कानूनी अधिकार और अवसरों तक पहुंच हो, चाहे वे जो भी हों। उदाहरण के लिए, कार्यस्थल पर **भेदभाव विरोधी कानून** यह सुनिश्चित करते हैं कि किसी को उनकी जाति, लिंग या धर्म के आधार पर नौकरी या पदोन्नति से वंचित नहीं किया जाए। यह एक स्तर के खेल के मैदान को बनाने का प्रयास है जहां सफलता बाहरी तत्वों के बजाय योग्यता पर आधारित हो।

3. Challenges to Equality of Opportunity

Despite efforts, achieving true equality of opportunity is challenging. For example, children from poor families may not have the same access to high-quality education as those from wealthier families, creating a gap in opportunities. Similarly, women in some societies may face social and cultural barriers that limit their access to jobs or education, even if laws provide equality of opportunity on paper.

समान अवसरों की चुनौतियाँ

प्रयासों के बावजूद, वास्तविक समान अवसरों को प्राप्त करना चुनौतीपूर्ण है। उदाहरण के तौर पर, गरीब परिवारों के बच्चों को अमीर परिवारों के बच्चों की तरह उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्राप्त नहीं हो सकती, जिससे अवसरों में अंतर उत्पन्न होता है। इसी तरह, कुछ समाजों में महिलाओं को सामाजिक और सांस्कृतिक बाधाओं का सामना करना पड़ता है, जो उनके काम या शिक्षा तक पहुंच को सीमित करती हैं, भले ही कागज पर समान अवसर प्रदान करने वाले कानून हों।

Write short notes on the following in 200 words each :

(a) Social Justice

(b) Nature of rights

(a) Social Justice

1. **Fair Distribution of Resources**

Social justice ensures equal access to resources, opportunities, and privileges for all individuals, regardless of their background.

संसाधनों का निष्पक्ष वितरण

सामाजिक न्याय यह सुनिश्चित करता है कि सभी व्यक्तियों को उनके पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना संसाधनों, अवसरों और विशेषाधिकारों तक समान पहुंच प्राप्त हो।

2. **Equality and Non-Discrimination**

It promotes equality and prevents discrimination based on caste, race, gender, religion, or economic status.

समानता और भेदभाव से मुक्ति

यह समानता को बढ़ावा देता है और जाति, जातीयता, लिंग, धर्म या आर्थिक स्थिति के आधार पर भेदभाव को रोकता है।

3. **Affirmative Action**

In many countries, including India, social justice is achieved through affirmative actions like reservations in education and employment for marginalized communities.

सकारात्मक कार्रवाई

कई देशों में, जैसे भारत में, सामाजिक न्याय सकारात्मक कार्रवाई के माध्यम से प्राप्त किया जाता है, जैसे हाशिए पर पड़े समुदायों के लिए शिक्षा और रोजगार में आरक्षण।

4. **Access to Basic Needs**

Social justice includes ensuring access to education, healthcare, and social security for all, especially for the underprivileged.

मूलभूत आवश्यकताओं तक पहुंच

सामाजिक न्याय में यह सुनिश्चित करना शामिल है कि सभी को, विशेष रूप से पिछड़े वर्गों को, शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और सामाजिक सुरक्षा तक पहुंच मिले।

5. Creating an Inclusive Society

It seeks to create a society where all people can participate equally in social, economic, and political life, irrespective of their social or economic background.

समावेशी समाज का निर्माण

इसका उद्देश्य एक ऐसा समाज बनाना है जहां सभी लोग, चाहे उनकी सामाजिक या आर्थिक पृष्ठभूमि कुछ भी हो, समान रूप से सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक जीवन में भाग ले सकें।

(b) Nature of Rights

1. Inherent and Inalienable

Rights are inherent to individuals by virtue of being human and cannot be taken away.

स्वाभाविक और अपरिहार्य

अधिकार व्यक्तियों में इंसान होने के नाते स्वाभाविक होते हैं और इन्हें छीन नहीं जा सकता।

2. Universal

Rights apply to all individuals, irrespective of nationality, ethnicity, religion, or gender.

सार्वभौमिक

अधिकार सभी व्यक्तियों पर लागू होते हैं, चाहे उनकी राष्ट्रियता, जातीयता, धर्म या लिंग कुछ भी हो।

3. Civil and Political Rights

These rights include freedom of speech, right to a fair trial, and the right to vote.

नागरिक और राजनीतिक अधिकार

इनमें अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, न्यायपूर्ण सुनवाई का अधिकार, और मतदान का अधिकार शामिल हैं।

4. Economic, Social, and Cultural Rights

These rights ensure access to education, healthcare, work, and an adequate standard of living.

आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकार

ये अधिकार शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, काम और उचित जीवन स्तर तक पहुंच सुनिश्चित करते हैं।

5. Rights and Responsibilities

Rights come with responsibilities and should be exercised in a way that does not harm others.

अधिकार और जिम्मेदारियां

अधिकारों के साथ जिम्मेदारियां भी होती हैं, और इन्हें इस तरह से लागू किया जाना चाहिए कि दूसरों को कोई नुकसान न हो।

6. Protected by Laws

Rights are protected and guaranteed by legal frameworks, constitutions, and international human rights laws.

कानूनों द्वारा संरक्षण

अधिकारों की रक्षा और गारंटी कानूनी ढांचे, संविधान और अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानूनों द्वारा की जाती है।

SHORT NOTE ON :

(a) Procedural Democracy

1. Focus on Elections and Procedures

Procedural democracy mainly looks at the **processes** of democracy. This means that for a country to be considered democratic, the elections must happen fairly and regularly. People should have the right to vote and elect their representatives.

Example: In India, general elections are held every 5 years. As long as elections are fair and everyone has the chance to vote, it is considered a procedural democracy.

2. Institutions Functioning Properly

It ensures that political institutions like the **parliament**, **executive**, and **judiciary** are working correctly, based on democratic rules.

Example: The Indian Parliament passes laws, the judiciary ensures the laws are fair, and the executive (government) enforces them. If these institutions are

working as per the rules, the system is seen as functioning in a procedural democracy.

3. Majority Rule

In procedural democracy, decisions are made by the **majority vote**. The decision that gets the most votes wins.

Example: During an election, the candidate who gets the most votes becomes the leader. This reflects procedural democracy, where the focus is on how elections are held and how votes are counted.

4. Formal Rules and Systems

It focuses on following the **rules** and procedures, like holding elections and passing laws. These must be done according to democratic norms.

Example: For a democracy to be functional, rules like **voting rights** and **free elections** must be followed. For instance, in India, the Election Commission ensures that elections are fair and follow the law.

5. Focus on Process, Not Always the Outcome

In procedural democracy, the focus is more on whether the democratic process is followed, rather than on the fairness of the actual outcomes.

Example: Even if the elected leaders are not able to solve all the problems of society, as long as the election process was fair and followed democratic procedures, it is still seen as procedural democracy.

(b) Substantive Democracy

1. Focus on Real Outcomes

Substantive democracy is more about what **happens after** the elections. It looks at the actual **results** and whether democracy leads to fairness, justice, and equality for everyone.

Example: Even if elections are held, in substantive democracy, the government must ensure things like **equal opportunities for all**, healthcare, and education for every citizen, not just for a few.

2. Protection of Basic Rights

In substantive democracy, the government focuses on protecting the **fundamental rights** of all citizens, such as the right to education, healthcare,

and employment.

Example: If a government guarantees **free education** and **affordable healthcare**, it is working toward substantive democracy by ensuring citizens have access to essential services.

3. Equality and Justice for All

It emphasizes creating a society where everyone, no matter their social, economic, or cultural background, has **equal rights and opportunities**.

Example: In countries with substantive democracy, there are policies to help marginalized groups. In India, **reservation policies** for Scheduled Castes (SC), Scheduled Tribes (ST), and Other Backward Classes (OBC) aim to provide equal opportunities in education and government jobs.

4. Inclusive Participation

Substantive democracy ensures that **everyone**, including minorities, has a voice in the democratic process.

Example: In a substantive democracy, **women, minorities, and poor people** are encouraged to participate in elections and policymaking, ensuring their voices are heard.

5. Focus on Welfare and Development

Substantive democracy is concerned with improving the **welfare** of all citizens through policies that ensure **economic, social, and cultural development**.

Example: In many countries, programs for **poverty reduction, employment, and education** help improve people's lives. For example, government welfare schemes like India's **Mahatma Gandhi National Rural Employment Guarantee Act (MGNREGA)** provide job opportunities to rural people, ensuring economic development.

In short:

- Procedural democracy is about the **"how"** of democracy (the process).
- Substantive democracy is about the **"what"** of democracy (the outcomes for the people).

FOR PDF VISIT hindustanknowledge.com

Scholarly Minds